

## आयुष क्षेत्र की प्रगति

### प्रलिस के लयः

**आयुष, वशिव स्वासथय संगठन**, वैश्वकि पारंपरकि चकितिसा शखिर सम्मेलन

### मेन्स के लयः

आयुष से संबंधति पहल, पारंपरकि चकितिसा का महत्त्व

## चरचा में क्यों?

**आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चकितिसा, यूनानी, सदिध एवं होमयोपैथी (AYUSH)** क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मली है। ऐसा अनुमान है कि इसमें और भी वृद्धि होगी तथा वर्ष 2023 के अंत तक यह 24 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच जाएगी।

- इस आशाजनक परदृश्य में वशिव स्वासथय संगठन के वैश्वकि पारंपरकि चकितिसा शखिर सम्मेलन में आयुष क्षेत्र केंद्रीय वषिय हो सकता है।

## आयुष क्षेत्रः

### परचियः

- आयुष क्षेत्र भारत की पारंपरकि स्वासथय देखभाल प्रणालियों का प्रतनिधित्व करता है।
- भारतीय चकितिसा प्रणाली वैवधियपूर्ण, सुलभ और सस्ती है तथा इनकी व्यापक सार्वजनिक स्वीकृति है, यह वशिषता उन्हें प्रमुख स्वासथय सेवा प्रदाता बनाती है। एक बड़ी आबादी को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली महत्त्वपूर्ण सेवाओं के परणामस्वरूप उनके आर्थिक मूल्य में वृद्धि हो रही है।

### आयुष के अंतरगत वभिन्न क्षेत्रः

- **आयुर्वेदः** समग्र कल्याण पर केंद्रति प्राचीन चकितिसा प्रणाली।
- **योगः** शारीरिक मुद्राओं और ध्यान के माध्यम से तन, मन और आत्मा का एकीकरण।
- **प्राकृतिक चकितिसाः** जल, वायु और आहार जैसे तत्त्वों के उपयोग से प्राकृतिक उपचार।
- **यूनानीः** तरल सदिधांत (Humoral Theory) और हर्बल उपचार के उपयोग से संतुलन की स्थापना।
- **सदिधः** पाँच तत्त्वों और ह्युमर तमलि चकितिसा का आधार है।
- **होमयोपैथीः** स्व-उपचार प्रतिक्रियाओं को उत्तेजति करने हेतु धीमी उपचार प्रक्रिया।

### आयुष क्षेत्र की प्रगतिः

- तीव्र वतितीय विकासः

- आयुष दवाओं और सप्लीमेंट्स के उत्पादन में त्वरति वृद्धि देखी गई है।
- इससे उत्पन्न होने वाला राजस्व 3 बलियन अमेरिकी डॉलर (वर्ष 2014) से बढ़कर 18 बलियन अमेरिकी डॉलर (वर्ष 2020) हो गया है।
- वर्ष 2023 में 24 बलियन अमेरिकी डॉलर की अनुमानति वृद्धि इसके वतितीय प्रभाव को दर्शाती है।

- स्वासथय सेवा क्षेत्र का एकीकरणः

- आयुष फाउंडेशन वाले वेलनेस सेंटरों को बहुत अधिक समर्थन मलिता है।
- वर्ष 2022 में 8.42 करोड़ रोगियों ने 7,000 सक्रिय केंद्रों की सेवाओं का उपयोग किया।

- वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों का बढ़ता एकीकरण प्रदर्शित करता है।

## AYUSH से संबंधित योजनाएँ:

- [राष्ट्रीय आयुष मशिन](#)।
- [आयुष क्षेत्र पर नए पोर्टल](#)।
- [आयुष उद्यमिता कार्यक्रम](#)।
- [आयुष वेल्नेस सेंटर](#)।
- [ACCR पोर्टल और आयुष संजीवनी एप](#)।

## WHO वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन:

- **परिचय:**
  - WHO वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जो वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं में पारंपरिक चिकित्सा के महत्त्व को रेखांकित करता है।
  - यह मंच पारंपरिक चिकित्सा के भविष्य पर चर्चा करने के साथ उसे आकार देने के लिये विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं एवं हतिधारकों को एक साथ लाता है।
  - पहला WHO पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन भारत में गुजरात के गांधीनगर में होगा।
  - शिखर सम्मेलन WHO तथा भारत सरकार के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसके पास वर्ष 2023 में G20 की अध्यक्षता है।
- **वैश्विक भागीदारी:**
  - 90 से अधिक देशों की भागीदारी।
  - विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न हतिधारकों का एकीकरण।
- **उद्देश्य और फोकस क्षेत्र:**
  - इसका उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा में सर्वोत्तम प्रथाओं, साक्ष्य, डेटा और नवाचारों को साझा करना है।
  - स्वास्थ्य और सतत विकास में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका पर चर्चा करने के लिये मंच।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

**प्रश्न.** भेषजकिक कंपनियों द्वारा आयुर्विज्ञान के पारंपरिक ज्ञान को पेटेंट कराने से भारत सरकार कसि प्रकार रक्षा कर रही है? (2019)

**स्रोत:** [इंडियन एक्सप्रेस](#)